अप्रैल ,2024 / भाग-2/अंक 01

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

मासिक पत्रिका

अनुक्रमणिका

1. "ओरिगेमी"-ऐतिहासिक कलात्मक परंपरा.....02
2. पेपे जीन्स लंदन फैशन डिजाइनर पुरस्कार 04
3. भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन.....05
4. छात्र स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरण.....06
5. निफ्ट छात्रों द्वारा आईआईटी गांधीनगर का दौरा.....07
6. अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के प्रमुख का निफ्ट दौरा 08
7. नराकास गांधीनगर की छमाही बैठक 09
8. निफ्ट गांधीनगर, ने गंगा जूट प्राइवेट लिमिटेड का दौरा.....10
9. नीदरलैंड के वरिष्ठ विशेषज्ञों का निफ्ट दौरा.....12

ओरिगेमी-ऐतिहासिक कलात्मक परंपरा

माना जाता है कि प्राचीन जापान में एक ऐतिहासिक-कलात्मक परंपरा ओरिगेमी की उत्पत्ति ईदो काल (1603-1868) के दौरान हुई थी। विविध कलात्मक और सांस्कृतिक परंपराओं ने सदियों से इसके विकास को आकार दिया है। ओरिगामी को समर्पित प्रारंभिक अनुदेशात्मक पुस्तिका, जिसे "सेम्बज़ुरु ओरिकाटा" के रूप में जाना जाता है, 1790 के दशक के दौरान प्रकाशित हुआ था। इसने प्रसिद्ध पेपर क्रेन सहित विभिन्न आकृतियों के निर्माण पर व्यापक निर्देश प्रदान किए। ओरिगेमी ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान के विस्तार और दुनिया भर में उत्साही लोगों की अटूट प्रतिबद्धता के कारण 20 वीं शताब्दी में दुनिया भर में ख्याति प्राप्त की। ओरिगेमी एक श्रद्धेय कलात्मक अनुशासन बना हुआ है, जो अपनी सीधीपन, बहुमुखी प्रतिभा और सरलता की क्षमता के लिए प्रसिद्ध है।

यह जापानी पेपर-फोल्डिंग कला कैंची या चिपकने के बिना विस्तृत मूर्तियां और डिजाइन बनाती है। ओरिगामी के मूल सिद्धांतों में घाटी और पर्वत सिलवटों, स्क्वैश सिलवटों, रिवर्स सिलवटों के अंदर, सिंक सिलवटों और प्लीट सिलवटों शामिल हैं। घाटी और पर्वत सिलवटों से स्पष्ट क्रीज उत्पन्न होती हैं, जबकि, रिवर्स सिलवटों के अंदर, उल्टे खंड मुड़े हुए होते हैं। स्क्वैश सिलवटों कागज जेब को संपीड़ित करता है। जबकि सिंक सिलवटों कागज को धंसा हुआ डिब्बों में परिवर्तित करते हैं, प्लीट सिलवटों में समझौते के समान संरचनाएं उत्पन्न होती हैं। इन तकनीकों में कुशल बनने के लिए समय और प्रयास के महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है; हालांकि, उन पर महारत विस्मयकारी कार्यों को बनाने की क्षमता तक पहुंच प्रदान करती है। इस मनोरम कला रूप में महारत हासिल करने के लिए परिश्रम और दृढ़ता आवश्यक साथी हैं।

ओरिगेमी-ऐतिहासिक कलात्मक परंपरा

एक सामान्य वैकल्पिक विषय के रूप में, ओरिगामी को एनआईएफटी पाठ्यक्रम में जीईओ में से एक के रूप में एकीकृत किया गया है, जिससे छात्रों को इस प्रथागत जापानी कलात्मक अभिव्यक्ति की जांच और भाग लेने की अनुमति मिलती है। हाल ही में कक्षा प्रस्तुतियों में छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार की ओरिगामी कृतियों को दिखाया गया था, जो उनकी सरलता और योग्यता की प्रदर्शनी के रूप में कार्य करते थे। निफ्ट गांधीनगर के निदेशक डॉ. समीर सूद ने छात्रों को उनके असाधारण प्रदर्शन और विषय में योगदान के लिए सराहना की।

पेपे जीन्स लंदन फैशन डिजाइनर पुरस्कार

बी. डिज़ाइन वर्ष की छात्रा (BD/23/250) तनुश्री आशीष शाह को "पेपे जीन्स लंदन फैशन डिजाइनर पुरस्कार 10" के शीर्ष 2024 में स्थान हासिल करने के लिए बधाई!
प्रतियोगिता 19 और 20 अप्रैल, 2024 को मुंबई (बांद्रा पश्चिम) में हुई। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है; उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता निखर कर सामने आई है। यह मान्यता फैशन डिजाइन की दुनिया में एक रोमांचक यात्रा की शुरुआत हो सकती है!

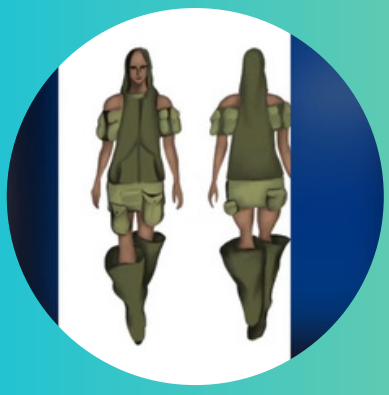

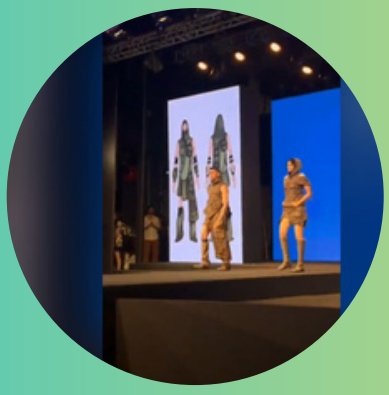

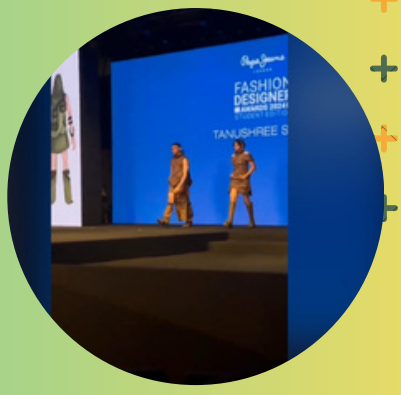

भारत कौशल प्रतियोगिता **2024** का आयोजन

निफ्ट गांधीनगर ने 26 अप्रैल 2024 को भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 गुजरात जोनल स्तर का आयोजन किया। प्रतियोगिता का आयोजन प्रो. डॉ. समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर के कुशल मार्गदर्शन में किया गया था। गुजरात राज्य के प्रतिभागियों का मूल्यांकन निफ्ट गांधीनगर के श्री संदीप मोहर और सुश्री हेमा सावलिया, प्रिंसिपल, महिला आईटीआई, गांधीनगर के नेतृत्व में एक जूरी पैनल द्वारा किया गया था।

प्रो. डॉ. समीर सूद ने देश के लिए भारत के कौशल के महत्व और निफ्ट की भूमिका को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए जूरी सदस्यों और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और उन्हें अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता का संयोजन निफ्ट गांधीनगर की सहायक प्रोफेसर सुश्री इतिश्री राजपूत ने किया।

छात्र स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरण

प्रो. डॉ. समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर ने उन छात्र स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जिन्होंने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो 2024 में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के पैविलियन को डिजाइन और क्यूरेट करने में छात्र स्वयं सेवकों का सम्मान किया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। । श्रुति गुप्ता, नेविक्षा टी, श्रेया भाटिया, लोकेश, सनिका गायकवाड, प्रज्ञा मेघरजनी, समृद्धि भरतल, स्पर्श, सुबोध सूर्यवंशी, प्राची कठिरिया, शिवम कौशिक, फातिमा अंजला, श्रावणी आनंद देओ, विपुल वाणी, श्री शुक्ला, पुलकित कुमार , अपराजिता वर्मा , गार्गी सिंह, यक्षिका गर्ग, अंजलि, आयुष कुमार, भूमिका अमेसर, शिवांगी दुबे, सृष्टि सान्याल, आंचल गोलछा, निर्जरा जैन, स्तुति जैसवाल, निशा पुंगलिया, कृतिका सिंह, निधि मेशराम, मनवदरिया रुचिका ,श्रुति अंबेकर, पारुल पाल, उर्वशी कांवट, समिष्ठा गौतम, वी।वैष्णवी, टीना रतनू, छवि खंडेलवाल, तान्या सचन, नदिया गरवा, ज्योति यादव, यशश्री मिसकीन, प्रियता मंगल, मिहा पटेल, आर्य पवार, दन्यानेश्वरी विनोद पिंपले, ख्याति गोहिल, विधी जाधव, प्रियंका सक्सेना, आदीश जैन, प्रज्वल कुमार गुप्ता ।

Felicitation of Student Volunteers for their contribution to the Vibrant Gujarat Global Trade Show 2024

निफ्ट छात्रों द्वारा आईआईटी गांधीनगर का दौरा

एफ एंड एलए विभाग के सहायक प्रो. श्री मनीष शर्मा के नेतृत्व में एडी विभाग के छात्रों ने आईआईटी गांधीनगर का दौरा किया। छात्रों ने मेकरभवन, रोबोटिक्स और कॉग्निटिव साइंस लैब के शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की और मानव जाति की सहायता और मदद के लिए अत्याधुनिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को सीखा।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के प्रमुख का निफ्ट दौरा

श्री संकेत श्रीवास्तव, वाणिज्यिक विपणन प्रमुख और श्री आलोक ब्रह्मभट्ट, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के वरिष्ठ प्रबंधक ने हाल ही में संभावित सहयोग का पता लगाने के लिए निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. डॉ. समीर सूद के साथ मुलाकात की। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड मंगलुरु, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, जयपुर, तिरुवनंतपुरम और मुंबई हवाई अड्डों के हवाई अड्डे के संचालन का प्रबंधन करता है। अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू होने वाले अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा प्रबंधित हवाई अड्डों की उपस्थिति को परिष्कृत करने, ब्रांड दृश्यता बढ़ाने, स्टाइल मानकों को बढ़ाने और परिष्कृत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था. अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स टीम ने निफ्ट गांधीनगर की विशेषज्ञता का लाभ उठाने का प्रस्ताव रखा ताकि "गैर-एयरो" व्यावसायिक श्रेणियों में यात्री अनुभव को बढ़ाया जा सके, जैसे कि वर्तमान रुझानों और संबंधित हवाई अड्डे के स्थानों पर वैरियूस ब्रांड स्टोर की उपलब्धता के आधार पर मौसमी स्टाइल और विजुअल मर्चेंडाइजिंग जैसे हस्तक्षेपों के माध्यम से। ये पहल निफ्ट गांधीनगर के छात्रों के लिए कक्षा परियोजनाओं के रूप में काम कर सकती है, जो उन्हें मूल्यवान ऑन-साइट व्यावहारिक सीखने के अनुभव प्रदान करती है। प्रो. डॉ. समीर सूद ने अपनी अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता के साथ, डिजाइन और विजुअल मर्चेंडाइजिंग सपोर्ट प्रदान करने के लिए उत्सुकता व्यक्त की, जो हवाई अड्डे और यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए एक आशाजनक साझेदारी का संकेत है।

नराकास गांधीनगर की छमाही बैठक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गांधीनगर, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम निफ्मेंट निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद जी दके लेखा के प्रकाशन का विमोचन किया गया, जो नराकास की पत्रिका "गांधीनगरी पत्रिका" में प्रकाशित किया गया एवं श्री संजीव जैन (हेड रिसोर्स सेंटर), निफ्ट गांधीनगर को "गांधीनगरी पत्रिका" (अंक प्रथम- सितम्बर 2023)" में प्रकाशित उनके सर्वश्रेष्ठ आलेख "ओटीटी मंच एवं दर्शको का अनुभव" के लिए सम्मानित किया गया है.

निफ्ट गांधीनगर, ने गंगा जूट प्राइवेट लिमिटेड का दौरा

प्रो. डॉ. समीर सूद, निदेशक, निफ्ट गांधीनगर, ने गंगा जूट प्राइवेट लिमिटेड, डेथ वैली इनोवेशन द्वारा जूट सेक्टर को समर्पित मंडप का दौरा किया और भारतटेक्स 2024 के दौरान आईजेआईआरए के निदेशक डॉ अनिलकुमार शर्मा के साथ बातचीत की।

जूट, जूट के पौधे के तनों से प्राप्त एक प्राकृतिक फाइबर, अपनी स्थिरता, बहुमुखी प्रतिभा और सौंदर्य अपील के कारण फैशन उद्योग में एक प्रमुख सामग्री बन गया है। जूट की पर्यावरण के अनुकूल प्रकृति, बायोडिग्रेडेबिलिटी और कम पर्यावरणीय प्रभाव इसे पर्यावरण के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं और डिजाइनरों के लिए पसंदीदा विकल्प बनाते हैं। जूट की बहुमुखी प्रतिभा डिजाइनरों को फैशन में विभिन्न रास्ते तलाशने की अनुमति देती है, देहाती और मिट्टी से लेकर ठाठ और समकालीन तक। इसे विविध बनावट, पैटर्न और फिनिश बनाने के लिए अन्य तंतुओं के साथ बुना, रंगा, मुद्रित और मिश्रित किया जा सकता है। जूट का प्राकृतिक रंग पैलेट मिट्टी के भूरे रंग से लेकर मलाईदार सफेद तक होता है, जो रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक बहुमुखी कैनवास प्रदान करता है। जूट के फैशन अनुप्रयोगों में कपड़े, सामान, जूते और घर की सजावट शामिल हैं।

निफ्ट गांधीनगर, ने गंगा जूट प्राइवेट लिमिटेड का दौरा

जूट का कपड़ा अपने स्थायित्व और सांस लेने की क्षमता के लिए जाना जाता है, जो इसे आकस्मिक और बोहेमियन शैलियों के लिए उपयुक्त बनाता है। भारत में, जूट का एक आकर्षक इतिहास है, प्राचीन महाकाव्यों में वस्त्रों और रस्सियों के लिए इसके उपयोग का सुझाव दिया गया है। आधुनिक युग के भारत में जूट के उत्पादन और खपत में काफी वृद्धि हुई है, पश्चिम बंगाल 2021-22 में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है। स्थिरता और नैतिक उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध डिजाइनरों और अंतरराष्ट्रीय लेबल ने फैशन में जूट को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्टेला मेकार्टनी और विविएन वेस्टवुड जैसे डिजाइनरों ने जूट की क्षमता को एक फैशनेबल और पर्यावरण के अनुकूल सामग्री के रूप में पहचाना है। एच एंड एम, ज़ारा और पेटागोनिया जैसे अंतर्राष्ट्रीय लेबल ने मुख्यधारा के फैशन बाजारों में जूट के एकीकरण की सुविधा प्रदान की है। नैतिक सोर्सिंग और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने वाली पहलों ने एक स्थायी फैशन विकल्प के रूप में जूट की दृश्यता और विश्वसनीयता को बढ़ाया है। एक उपयोगितावादी सामग्री से एक फैशनेबल विकल्प के लिए जूट का विकास टिकाऊ फैशन की बढ़ती मांग को दर्शाता है। इसकी पर्यावरण-मित्रता, डिजाइन में बहुमुखी प्रतिभा और समृद्ध इतिहास इसे उपभोक्ताओं और डिजाइनरों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाते हैं।

नीदरलैंड के वरिष्ठ विशेषज्ञों का निफ्ट दौरा

सुश्री जिया इलेवल्ड, टेक्सटाइल, चमड़ा उद्योग और उपभोक्ता पीयूएम, नीदरलैंड के वरिष्ठ विशेषज्ञों के क्षेत्र समन्वयक, श्री जॉली जोसेफ इंडिया प्रतिनिधि पीयूएम नीदरलैंड के वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ निफ्ट गांधीनगर का भ्रमण किया, और प्रो. डॉ. समीर सूद, निदेशक निफ्ट गांधीनगर, से मुलाकात की। PUM नीदरलैंड के वरिष्ठ विशेषज्ञ एक स्वयंसेवी संगठन है जो विकासशील देशों और उभरते बाजारों में छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वे अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के भीतर व्यावहारिक ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। उनके विशेषज्ञ दुनिया भर में 30 से अधिक विकासशील देशों में उद्यमियों के साथ स्वैच्छिक आधार पर अपना ज्ञान साझा करते हैं। अन्य संगठनों के साथ साझेदारी में सलाहकार मिशनों और कार्यक्रमों के साथ, PUM अर्थव्यवस्था, समाज और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।भारत में, पीयूएम हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र, ऊर्जा, स्थिरता, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, बागवानी, मधुमक्खी पालन, डेयरी, दूध प्रसंस्करण, अपशिष्ट और पानी से संबंधित प्रयासों में प्रगति को उत्प्रेरित करता है ताकि अधिक आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक मूल्य बनाया जा सके।रचनात्मक चर्चा के दौरान, सहयोग के लिए विभिन्न अवसरों के बारे में विचारों का पता लगाया गया, जिसमें उद्योग संबंधों को मजबूत करने के लिए आउटरीच पहलों का निर्माण और कपड़ा, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के भीतर कौशल विकास को बढ़ाने की दिशा में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत शामिल है।